**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा उत्पादन विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 848**

**28 जुलाई, 2015 को उत्तर के लिए**

**गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा प्राप्त किए गए अनुबंध**

**848. श्री शान्ताराम नायक:**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने गत छह महीनों में कोई नया अनुबंध प्राप्त किया है;

(ख) यदि हां, तो अनुबंध/व्यवसाय का ब्यौरा क्या है;

(ग) राज्य में इन अनुबंधों/व्यवसाय से प्रत्येक में कितनी नौकरियां उत्पन्न होंगी;

(घ) इस संबंध में नियोजन नीति क्या होगी; और

(ड.) वर्तमान में कंपनी द्वारा कौन-कौन से अनुबंधों को निष्पादित किया जा रहा है ?

**उत्तर  
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (राव इंद्रजीत सिंह)**

(क) जी, हां।

(ख) पिछले छह माह में निम्नलिखित संविदाओं पर हस्ताक्षर किए गए हैं:-

1. रक्षा मंत्रालय से भारतीय नौसेना के लिए चार 1000 टन फ्यूल बार्जस।
2. भानौपो शिवाजी, लोनावाला में भारतीय नौसेना के लिए क्षति नियंत्रण सिमूलेटर (डीसीएस) की वार्षिक रखरखाव संविदा (एएमसी)।
3. एएमसी सहित शिपराइट स्कूल, विजाग में भारतीय नौसेना के लिए क्षति नियंत्रण सिमुलेटर की स्थापना।
4. गोवा पुलिस के लिए तीन रिजिड इन्फ्लैटबेल नौकाएं।
5. गुजरात मेरीटाइम बोर्ड के लिए एक गश्ती नौका।

..2/-

- 2 -

1. भारतीय नौसेना के भानौपो सुमेधा और राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान के सिंधु संकल्प के लिए पोत मरम्मती के आर्डर।

इसके अतिरिक्त, डीएसी के अनुमोदन के अनुसार जीएसएल को 12 माइन काउंटर मेजर यानों (एमसीएमवी) के निर्माण के लिए मनोनीत किया गया है जिसके लिए अभी संविदा पर हस्ताक्षर नहीं किए गए हैं।

(ग) उपर्युक्त संविदाएं जीएसएल में विद्यमान जनशक्ति और आउटसोर्सिंग के जरिए निष्पादित की जाएंगीं। जनशक्ति में वृद्धि, यदि आवश्यक हुआ तो, परियोजनाओं की आवश्यकताओं के आधार पर की जाएगी।

(घ) जीएसएल की भर्ती के लिए एक सुनिर्धारित नीति है जो भारत सरकार के दिशानिर्देशों के प्रावधानों पर आधारित है। जीएसएल रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना की प्रक्रिया; आरक्षण आदि की प्रक्रिया का अनुसरण करता है और उपर्युक्त संविदाओं में भर्तियों के लिए उसी प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा।

(ड.) जीएसएल द्वारा वर्तमान में निम्नलिखित आर्डरों का निष्पादन किया जा रहा है:-

1. भारतीय तटरक्षक के लिए 06 अपतटीय गश्ती यान (ओपीवी)।
2. श्रीलंका सरकार के लिए 02 ओपीवी।
3. मॉरीशस सरकार के लिए 02 तीव्र गश्ती यान।
4. मॉरीशस सरकार के लिए 11 तीव्र अन्तर्रोधी नौकाएं।
5. म्यांमार में क्षति नियंत्रण सिमुलेटर (डीसीएस) की स्थापना।
6. केन्द्रीय मत्स्यन प्रौद्योगिकी संस्थान, कोच्चि, भारत सरकार के लिए मत्स्यन शोध यान।
7. निम्नलिखित के लिए वार्षिक रखरखाव संविदाएं:-

(कक) ओएनजीसी के लिए समुद्री प्रशिक्षण सुविधा पर उत्तरजीविता (सरवाइवल एट सी ट्रेनिंग) फेसिलिटी।

(खख) कोच्चि में भारतीय नौसेना के लिए डीसीएस।

(गग) वैमानिक विकास प्राधिकरण, भारत सरकार का तट आधारित परीक्षण सुविधा।

(घघ) गृह मंत्रालय, भारत सरकार की 116 अन्तर्रोधी नौकाएं।

(ड.ड.) महाराष्ट्र सरकार की 29 गश्ती नौकाएं।

\*\*\*